ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -26 मार्च - I - 2024 अंक - 23 माउण्ट आबू Rs.-12

दादी रतनमोहिनी 'इंटरनेशनल बुक ऑफ ऑनर' अवॉर्ड से सम्मानित

आईबीएच,इंग्लैंड के चेयरमैन डॉ. दिवाकर सुकुल ने लंदन से आकर दादी जी को दिया यह बहुमूल्य सम्मान

शांतिवन के विशाल डायमण्ड हॉल में देश-विदेश से आये हज़ारों भाई-बहनों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ अवॉर्ड समारोह

शांतिवन। इंटरनेशनल बुक ऑफ ऑनर,इंग्लैंड के चेयरमैन डॉ. दिवाकर सुकुल ने लंदन से आकर ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी तथा संस्थान के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. डॉ. मृत्युंजय भाई को 'इंटरनेशनल बुक ऑफ ऑनर' अवॉर्ड से सम्मानित किया। यह अवॉर्ड समारोह शांतिवन के विशाल डायमण्ड हॉल में हज़ारों भाई-बहनों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आईबीएच,इंग्लैंड के वाइस प्रेसिडेंट ब्र.कु. डॉ.दीपक हरके सहित अन्य वरिष्ठ राजयोगी भाई-बहनें उपस्थित रहे।

डॉ. दिवाकर सुकुल ने दादी कॉटेज में जाकर राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी से मुलाकात की। दादीजी ने उन्हें ईश्वरीय सौगात तथा वरदानों से भरपूर किया। साथ ही इस मौके पर दादी जी ने डॉ. दिवाकर सुकुल और डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके को शॉल पहनाकर सम्मानित किया।

आईबीएच,इंग्लैंड के चेयरमैन डॉ. दिवाकर सुकुल ने ओमशान्ति मीडिया के ऑफिस का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ओमशान्ति मीडिया पत्रिका के संपादक राजयोगी डॉ. ब्र.कु. गंगाधर भाई को 'सर्टिफिकेट ऑफ एप्रीसिएशन' प्रदान किया तथा डॉ. ब्र.कु. गंगाधर भाई ने डॉ. सुकुल को ईश्वरीय सौगात भेंट की। डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके भी उपस्थित रहे।

दादी प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय की वर्तमान मुख्य प्रशासिका हैं।

दादी के जन्म का नाम लक्ष्मी था। उनका जन्म हैदराबाद सिंध (जो अब पाकिस्तान में है) के एक प्रसिद्ध व धार्मिक परिवार में 25 मार्च,1925 को हुआ।

13 वर्ष की छोटी उम्र में ही वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के संपर्क में आईं।

ब्रह्मा बाबा से अपनी प्रथम मुलाकात में उन्हें पिता के सम्बंध का अनुभव हुआ।

इन रूपों में भी रही दादी की सेवायें

- राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउण्डेशन के युवा प्रभाग की अध्यक्ष
- ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय, माउण्ट आबू में कार्मिक विभाग की निदेशिका
- राजस्थान ज़ोन में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों की ज़ोनल हेड
- भारत में टीचर्स ट्रेनिंग की निदेशिका

तपस्या, सेवा और साधना का यह सम्मान है : दादी

ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल की ज़ोनल डायरेक्टर राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी एवं यूएसए के वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. पवन भाई 'डॉक्टर्स ऑफ लेटर्स' की मानद उपाधि से सम्मानित

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन स्थित विशाल डायमण्ड हॉल में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में मणिपुर अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आध्यात्मिकता, नेतृत्व एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों हेतु ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल की ज़ोनल निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी एवं यूएसए के वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. पवन भाई को 'डॉक्टर्स ऑफ लेटर्स' की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आज यह सम्मान भाई-बहनों की त्याग, तपस्या, सेवा और साधना का सम्मान है। हज़ारों भाई-बहनों ने परमात्म आज्ञा पर अपने आप को अर्पण कर दिया। मानवता की सेवा के लिए ऐसा त्याग अपने आप में बड़ी बात है। अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि यहां सभी भाई-बहनों के जीवन का एक ही लक्ष्य है, विश्व शांति और विश्व परिवर्तन। मणिपुर अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन. लोकेंद्र सिंह ने कहा कि यह उपाधि प्रदान करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मैं खुद को भाग्यशाली समझ रहा हूँ। संस्थान के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. डॉ. मृत्युंजय भाई ने कहा कि ब्र.कु. राज दीदी के नेतृत्व में पूरे नेपाल में भारतीय पुरातन संस्कृति, अध्यात्म एवं राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा जन-जन को दी जा रही है।

'मणिपुर अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने आध्यात्मिकता, नेतृत्व एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दिया यह सम्मान'